

दिल्ली—भ्रष्टाचार बनता एकसैंस नाड़ी के तीसरे दर्जे के दिल्ली में चांदी की चांदी

551. वी हुकम चाल बहुशाय :

वी अवधार राज चांदी :

वी राज तिह अवधार :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 3 अप्रैल, 1967 प्रबन्ध उसके आवापास दिल्ली अंकमत पर भ्रष्टाचार बनता एकसैंस नाड़ी के तीसरे दर्जे के दिल्ली से 1.7 किलोमीटर चांदी चोटी हो गई थी;

(ख) यदि हाँ, तो यह चांदी कहाँ से लाई गई थी; और

(ग) इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की गई है?

रेलवे चंडी (वी डे० श० पुणाचा) :
 (क) और (ख). वी हाँ, बारात 1-4-1967 को हुई। पुलिस की रिपोर्ट यह है कि जिस व्यक्ति ने शिकायत की है वह दिल्ली में चांदी की तिह अपनी दुकान से चांदी प्रज्ञान से जाने के लिये लाया था।

(ग) दिल्ली की सरकारी रेलवे पुलिस ने भारतीय दण्ड संहिता की धारा 379 के अधीन आमता दर्जे कर दिया है और तेजी के माध्य छानबदी वी जा रही है।

उत्तरवाही तथा तिरनामस्त्री स्टेशनों के दीवानी अवधार की तुरंटना

552. वी हुकम चाल बहुशाय :

वी राज तिह अवधार :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 13 दिसम्बर,

1966 के 'हिन्दूस्तान' समाचार यह में प्रकाशित हुए समाचार के अनुसार दिल्ली अंच रेलवे (वीटर नेट) पर उपचाराई तथा तिरनामस्त्री स्टेशनों के दीवानी एक नाड़ी चांदी तुरंटनाप्रस्त हो गई थी;

(ख) यदि हाँ, तो तुरंटना के कारण क्या थे; और

(ग) इस मामले में क्या कार्यवाही की गई है?

रेलवे चंडी (वी डे० श० पुणाचा) :

(क) वी हाँ। तुरंटना 11-12-66 को हुई थी।

(ख) तुरंटना एक माल दिल्ली में असन्तुष्टि लदान के कारण हुई थी।

(ग) जो कर्मचारी इसके लिये विमेदार पाये गये उनके विद्ध उपयुक्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा रही है।

बातानुकूलित रेलवाहिया

553. वी हुकम चाल बहुशाय :

वी राज तिह अवधार :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1 अप्रैल, 1967 से कितनी बातानुकूलित रेलवाहिया चलाई गई;

(ख) इससे सरकार को कितनी आय होने की संभावना है; और

(ग) इसके परिणामस्वरूप कितने लोगों को लाभ पहुँचेगा?

रेलवे चंडी (वी डे० श० पुणाचा) :

(क) 1-4-1967 से बम्ब-बारास, भारत-हावड़ा और हावड़ा-बार्बर (नामपुर के रास्ते) मार्ग पर प्रक-एक सालाहिक बातानुकूल एक्स-प्रेस चांदी बुक की गयी है और वी दिल्ली अनुसार दीवानी अवधार में वी बार चलने वाली बातानुकूल चांदी की सफाह में दीवानी बार कर दिया गया है।

(म) अस्त्रेंग गाड़ियों का अलग-अलग ने का नहीं रखा जाता।

(ग) प्रति सप्ताह लगभग 3,600 गाड़ियों को।

Investment in Khetri Copper Mines

554. श्री हिमसिंहका:

श्री मद्दी सुदर्शनमामः

Will the Minister of Steel, Mines and Metals be pleased to state:

(a) whether any estimate of the total amount invested so far in the Copper Mines at Khetri (Rajasthan) has been made and the amount of the original estimate; and

(b) whether the estimate has been revised and if so, the ultimate amount according to the last estimate?

The Minister of Steel, Mines and Metals (Dr. Cheena Reddy): (a) Expenditure incurred upto the end of March, 1967 in the Copper Mines at Khetri is approximately Rs. 7.00 Crores.

The original estimate for Khetri Copper Project for production of 21,000 tonnes of electrolytic Copper per annum was Rs. 24.44 Crores.

(b) Yes, Sir. The revised estimated capital cost of the enlarged Project is Rs. 78.52 Crores. It will now produce 31,000 tonnes of Copper metal per annum (21,000 tonnes from Khetri and 10,000 tonnes from the ore at Kolihan) along with Sulphuric Acid and 229,500 tonnes of triple super phosphate fertiliser.

उत्तर अद्येतम् विचारण सभा के सदस्य की हृत्या

555. श्री हुक्म बन्द वक्तव्यः :

श्री लोकार्थ तिहः :

श्री रम तिह वक्तव्यातः :

श्री लोकार्थ लाल लेखा :

क्षमा रेलवे नंबरी 2 अप्रैल, 1967 के

तारांकित प्रश्न संख्या 344 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की हृत्या करेंगे कि :

(क) क्षमा रेलवे अधिकारी लक्ष्य नियामन ने विभाग सभा सदस्य दलारी लाल हृत्या-कांड की जांच प्रबंध पूरी कर ली है;

(म) क्षमा हृत्या के कारण और उद्देश्य का पता लग गया है; और

(ग) यदि हाँ, तो उसका व्यौरा क्षमा है तथा सम्बन्धित अवित्तियों के विस्तृत क्षमा कार्यवाही की गई है ?

: रेलवे मंत्री (श्री डॉ. मु. मुमारा) :

(क) और (ग). अभी नहीं।

(ग) इन मामले में जिन दो अवित्तियों को गिरफ्तार किया गया है उनकी विनाशक प्रेरण होनी है।

लीमापुर स्टेशन पर गिरफ्तारियाँ

556. श्री हुक्म बन्द वक्तव्यः :

श्री लोकार्थ तिहः :

क्षमा रेलवे मंत्री 31 मार्च 1967 के तारांकित प्रश्न संख्या 300 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की हृत्या करेंगे कि :

(क) क्षमा लीमापुर रेलवे स्टेशन पर संदिग्ध घटनाया में चूमते हुए पाये गये दो अवित्तियों के मामले में इस बीच जांच पूरी हो गई है; और

(ग) यदि हाँ, तो उसका व्यौरा क्षमा है ?

रेलवे मंत्री (श्री डॉ. मु. मुमारा) :

(क) जी नहीं।

(ग) सवाल नहीं उठाया।